लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 5090
24 मार्च, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

पर्यावरण की दृष्टि से सतत उत्पादन प्रथाएं

5090. श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे:
श्री नरेश गणपत म्हस्के:
श्रीमती भारती पारधी:
श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर:
श्री अतुल गर्ग:
श्री विशालदादा प्रकाशबापू पाटील:
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या पर्यावरणीय रूप से सतत उत्पादन पद्धतियों को बढ़ावा देने से विकसित हो रहे वैश्विक निरंतरता मानकों के संबंध में भारत में अनुपालन में वृद्धि होगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं;

(ख) क्या हरित प्रौद्योगिकी को अपनाने को प्रोत्साहित करने से वस्त्र उद्योग में कार्बन उत्सर्जन और संसाधनों की खपत में कमी आएगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या वस्त्र विनिर्माण को ईएसजी ढांचे के साथ जोड़ने से वैश्विक खरीददारों और निवेशकों के लिए भारत के प्रति आकर्षण बढ़ेगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या पुनर्चक्रण और अपशिष्ट में कमी लाने सहित चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल का समर्थन करने से दीर्घकालिक पर्यावरणीय और आर्थिक लचीलेपन में सुधार होगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सतत वस्त्र उत्पादन से विशेष रूप से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में एक जिम्मेदार और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी परिधान विनिर्माण केंद्र के रूप में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ेगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र मंत्री
(श्री गिरिराज सिंह)

(क) से (ङ): ग्रीन टेक्नोलॉजी अपनाने, पुनर्चक्रण और अपशिष्ट कम करने सहित पर्यावरण अनुकूल सस्टेनेबल उत्पादन के तरीकों की बढ़ती वैश्विक अहमियत, और बढ़ी हुई वैश्विक प्रतिस्पर्धा, बेहतर बाजार पहुंच, बेहतर पर्यावरण और आर्थिक लचीलापन, और मज़बूत निवेशक विश्वास के मामले में उनके अनुमानित लाभों को देखते हुए, कई कदम उठाए गए हैं:

i. सरकार ने एक एनवायरनमेंट, सोशल और गवर्नेंस (ईएसजी) टास्क फोर्स बनाई है, जो सस्टेनेबल उत्पादन, प्रमाणन, निर्यात, आदि से जुड़े मुद्दों पर बातचीत के लिए एक प्लेटफॉर्म का कार्य करती है। टास्क फोर्स ने कई उद्योग केंद्रित कार्यक्रम चलाए हैं, जो परिपत्र संवाद और क्लस्टर एक्सचेंज मैकेनिज्म जैसे प्लेटफॉर्म के ज़रिए बेस्ट प्रैक्टिस और नॉलेज के आदान-प्रदान पर ध्यान देती है।

ii. संशोधित प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (एटीयूएफएस) के तहत, जो दिनांक 31.03.2022 तक वैध थी, वस्त्र विनिर्माण में पानी और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए 1,117 से अधिक ऊर्जा बचाने वाली मशीनों को सहायता दी गई है। इसके अलावा, एकीकृत प्रसंस्करण विकास योजना (आईपीडीएस) के द्वारा, ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी) प्रौद्योगिकी वाले 6 कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) को मंज़ूरी दी गई है।

iii. सरकार सस्टेनेबल उत्पादन और उपभोग के वैश्विक बेस्ट प्रैक्टिस के बारे में जागरूकता बढ़ाने और क्षमता निर्माण के लिए देश भर में कई पायलट परियोजनाएं भी चला रही है। इसमें वस्त्र मूल्य श्रृंखला से हानिकारक केमिकल्स को हटाना, नए ज़माने के, इको-फ्रेंडली और ऑर्गेनिक वस्त्रों का उत्पादन, वस्त्र अपशिष्ट प्रबंधन और पुर्नउपयोग, लाइफ साइकिल एनालिसिस, प्रोडक्ट एनवायरनमेंट और कार्बन फुटप्रिंट, नेचुरल डाइंग आदि जैसे विषयों पर ध्यान दिया गया है।

   क) 'भारत में वस्त्र फैशन आपूर्ति श्रृंखला से हानिकारक केमिकल्स को खत्म करना' नाम का यह पायलट प्रोजेक्ट, आठ कलस्टरों और चार फैशन हाउस की 400 फैक्ट्रियों में क्रियान्वित किया जा रहा है। इसे 147,000 टीसीओ2ईक्यू को कम करने और हानिकारक केमिकल्स के उपयोग को भी 10,530 टन तक कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

iv. राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम)) के तहत, पर्यावरण के लिए सस्टेनेबल प्रौद्योगिकी और सामग्रियों पर ध्यान देते हुए कई अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) परियोजनाओं को भी मंज़ूरी दी गई है।

v. इसके अलावा, माननीय वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण 2026-27 में वस्त्र के लिए एक एकीकृत कार्यक्रम की घोषणा की, जिसमें *अन्य बातों के अलावा* टेक्स इको पहल विश्व भर में प्रतिस्पर्धी और सस्टेनेबल वस्त्र और अपैरल को बढ़ावा देने के लिए है।

*****